E
Batch - 2020- 2023

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

## एम्. ए. हिंदी

**परीक्षा : दिसंबर – २०२३**

**द्वितीय वर्ष**

**सत्र – ४**

**विषय : आधुनिक काव्य (भाग–२) (HDS - 401)**

**दि.: २७/१२/२०२३** **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००**

**सूचनाएँ :** १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

**प्र. १** 'ग्राम्या' की कविताओं में ग्राम जीवन का यथार्थ रुप ही मूर्त हुआ है – 'ग्राम्या' की पठित कविताओं के आधार पर इस विधान की समीक्षा कीजिए ।

**प्र. २** 'ग्राम्या' में चित्रित श्रमजीवी वर्ग की स्थितियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ३** 'जहाँ शब्द है' काव्य संग्रह की कविताओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए ।

**प्र. ४** कवि प्रभाकर माचवेजी ने 'जहाँ शब्द है ' काव्यसंग्रह में देश का आम आदमी और पूँजीवादी तत्वों के संदर्भ में कौन से विचार व्यक्त किए हैं ?

**प्र. ५** 'जहाँ शब्द है ' की कविताओं में चित्रित जनजीवन पर सविस्तार लिखिए ।

**प्र. ६** कवि शमशेर बहादुर जी की काव्य विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ७** कवि मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ८** प्रयोगवादी कविता के प्रवर्तक के रुप में कवि अज्ञेय जी का परिचय दीजिए ।

**प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) टूट गया वह स्वप्न वणिक का,
आई जब बुढ़िया बेचारी
आधा पाव आटा लेने .....

२) रही पलक पीछे ही वे सब
सपनों की बातें,
कृषक कुमारी की किस्मत में,
कर्जा, गाली, लातें !

३) बात बोलेगी, हम नहीं,
भेद खोलेगी बात ही !

४) गाता बज़ाता,
हारा हुआ दलपति,
जो अभी गया है वह समय है ।

**प्र.१०  निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) 'कठपुतले' कविता

२) नदी के द्वीप – कविता

३) मुक्तिबोध की भाषाशैली

४) 'समाज परमेश्वर' कविता का कथ्य ।

---